उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पत्रकारिता एवं जनसंचार विद्याशाखा 2014–15

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल

MJMC 12, **ASSIGNMENT**

एमजेएमसी12, **सत्रीय कार्य**

Last Date of Submission: **(जमा करने की अन्तिम तिथि: 15 June, 2015)**

Course Title: Editing, Printing & Production	**Course Code:** MJMC **201**
कोर्स शीर्षक: संपादन मुद्रण एवं निर्माण	**कोर्स कोड :** एमजेएमसी–**201**
Year: 2014-15	**Maximum Marks: 40**
सत्र : 2014-15	**अधिकतम अंक: 40**

Section 'A' contains 08 short answer type questions of **5** marks each. Learners are required to answer 4 questions only. Answers of short answer-type questions must be restricted to minimum **500** words.

भाग (क) में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं**, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने** हैं**। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित** हैं **तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर** कम से कम **500 शब्दों का होना चाहिए।**

1- संपादक को समाचार पत्र का नीति–निर्माता क्यों कहा गया है? संपादक के कार्यों को संक्षेप में बताइए।

2- लेखों का पाठकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

3- समाचार पत्र में उप संपादक के कार्य व उसकी भूमिका का उल्लेख कीजिए।

4- राजनीतिक समीक्षा क्या होती है? संक्षेप में प्रकाश डालिए।

5- संपादन में किन–किन बातों का ध्यान रखा जाता है**?**

6- फोटो संपादन किसे कहते हैं? संक्षेप में बताइए।

7- समाचार विश्लेषण क्या है? इसका क्या महत्व है?

8- पृष्ठ सज्जा क्या है? संक्षेप में प्रकाश डालिए।

Section 'B' contains 04 long answer-type questions of **10** marks each. Learners are required to answer 02 questions only. Answers of questions must be restricted to minimum **1000** words.

भाग (ख) में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं**, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने** हैं**। प्रत्येक उत्तर कम से कम 1000 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित** हैं।

1- संपादकीय विभाग को समाचार पत्र का हृदय क्यों कहा जाता है**?** विस्तार से लिखिए।

2- फीचर की परिभाषा बताइए, फीचर और समाचार में क्या अंतर है? उल्लेख कीजिए।

3- शीर्षक किसे कहते हैं? इसकी क्या विशेषताएं होती हैं?

4- पृष्ठ सज्जा के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।